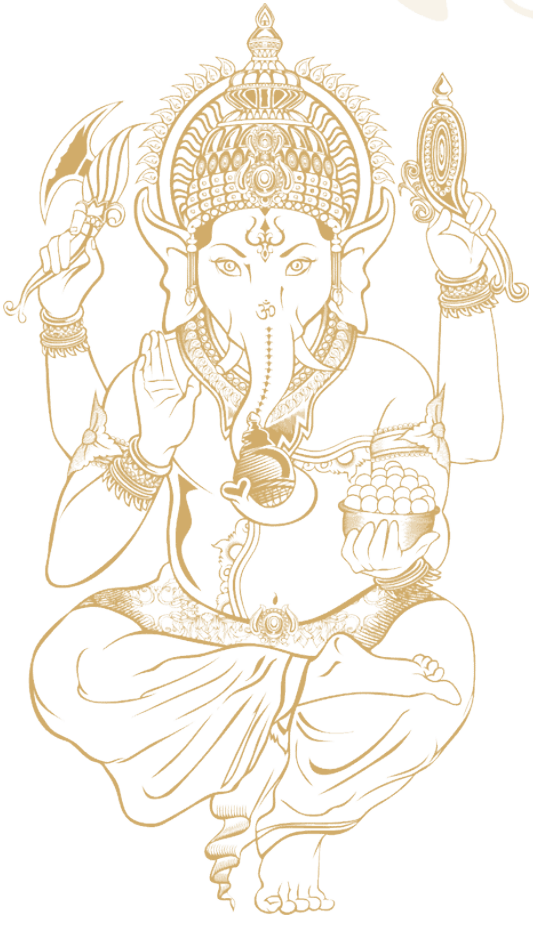

vivekanand gupta

26 Aug 1983

03:01 AM

Birat Nagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121425510

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/08/1983**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**03:01:00 घंटे**
इष्ट	54:19:29 घटी
स्थान	**Birat Nagar**
देश	Nepal

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	87:17:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:19:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:20:08 घंटे
वेलान्तर	-00:02:16 घंटे
साम्पातिक काल	01:34:27 घंटे
सूर्योदय	05:17:12 घंटे
सूर्यास्त	18:08:34 घंटे
दिनमान	12:51:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	08:28:48 सिंह
लग्न के अंश	08:03:24 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	धृति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:03:24	310:21:10	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	---
सूर्य			सिंह	08:28:48	00:57:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मीन	03:32:25	12:06:11	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल			कर्क	14:13:13	00:38:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध			कन्या	04:44:31	00:36:18	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	उच्च राशि
गुरु			वृश्चि	08:34:57	00:04:50	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	सिंह	07:21:37	00:37:19	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि			तुला	06:29:19	00:04:53	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
राहु	व		वृष	28:40:26	00:11:35	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	28:40:26	00:11:35	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	11:30:13	00:00:36	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
नेप	व		धनु	02:53:16	00:00:26	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	03:45:37	00:01:35	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	01:50:55	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:27

लग्न-चलित

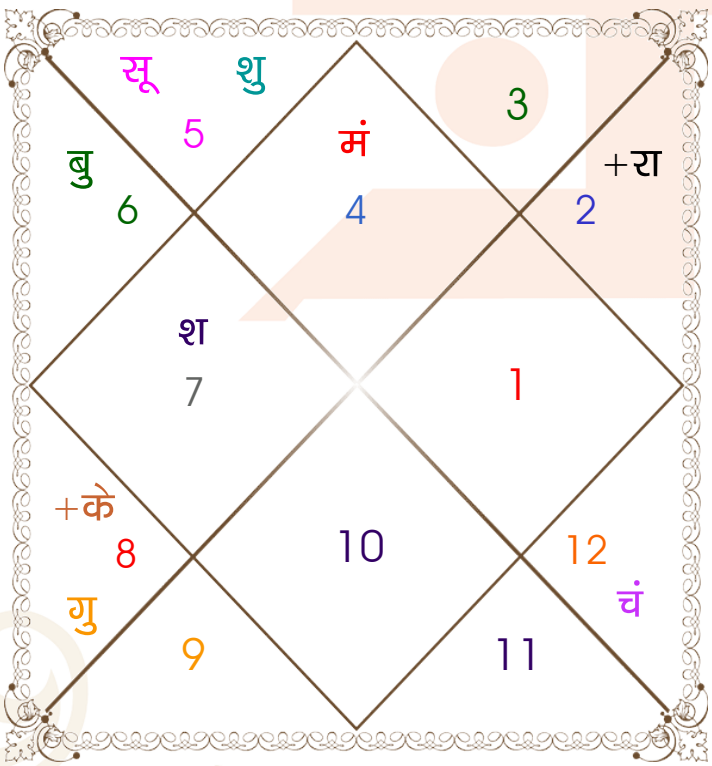

चन्द्र कुंडली

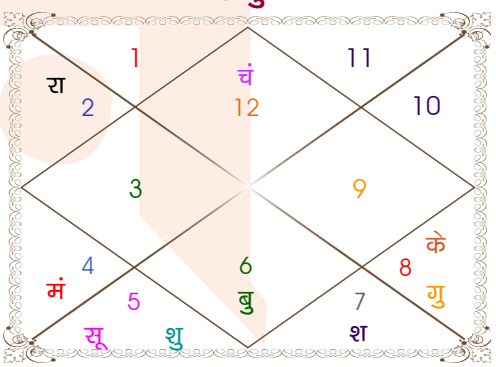

नवमांश कुंडली

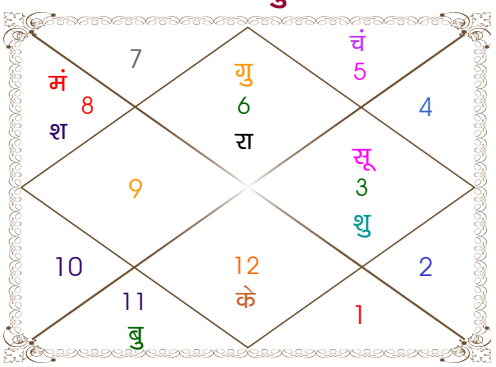

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 8 मास 14 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/08/1983		10/05/2002		10/05/2019		10/05/2026		10/05/2046	
10/05/2002		10/05/2019		10/05/2026		10/05/2046		09/05/2052	
शनि	13/05/1986	बुध	05/10/2004	केतु	06/10/2019	शुक्र	08/09/2029	सूर्य	27/08/2046
बुध	20/01/1989	केतु	03/10/2005	शुक्र	05/12/2020	सूर्य	08/09/2030	चंद्र	26/02/2047
केतु	01/03/1990	शुक्र	02/08/2008	सूर्य	12/04/2021	चंद्र	09/05/2032	मंगल	04/07/2047
शुक्र	30/04/1993	सूर्य	09/06/2009	चंद्र	11/11/2021	मंगल	09/07/2033	राहु	27/05/2048
सूर्य	12/04/1994	चंद्र	08/11/2010	मंगल	09/04/2022	राहु	09/07/2036	गुरु	16/03/2049
चंद्र	12/11/1995	मंगल	06/11/2011	राहु	28/04/2023	गुरु	10/03/2039	शनि	26/02/2050
मंगल	20/12/1996	राहु	25/05/2014	गुरु	03/04/2024	शनि	10/05/2042	बुध	02/01/2051
राहु	27/10/1999	गुरु	30/08/2016	शनि	12/05/2025	बुध	10/03/2045	केतु	10/05/2051
गुरु	10/05/2002	शनि	10/05/2019	बुध	10/05/2026	केतु	10/05/2046	शुक्र	09/05/2052

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/05/2052		10/05/2062		09/05/2069		10/05/2087		11/05/2103	
10/05/2062		09/05/2069		10/05/2087		11/05/2103		00/00/0000	
चंद्र	10/03/2053	मंगल	06/10/2062	राहु	21/01/2072	गुरु	27/06/2089	शनि	27/08/2103
मंगल	09/10/2053	राहु	24/10/2063	गुरु	15/06/2074	शनि	08/01/2092		00/00/0000
राहु	10/04/2055	गुरु	29/09/2064	शनि	21/04/2077	बुध	15/04/2094		00/00/0000
गुरु	09/08/2056	शनि	08/11/2065	बुध	09/11/2079	केतु	22/03/2095		00/00/0000
शनि	10/03/2058	बुध	05/11/2066	केतु	26/11/2080	शुक्र	20/11/2097		00/00/0000
बुध	09/08/2059	केतु	03/04/2067	शुक्र	27/11/2083	सूर्य	08/09/2098		00/00/0000
केतु	09/03/2060	शुक्र	03/06/2068	सूर्य	21/10/2084	चंद्र	08/01/2100		00/00/0000
शुक्र	08/11/2061	सूर्य	08/10/2068	चंद्र	21/04/2086	मंगल	15/12/2100		00/00/0000
सूर्य	10/05/2062	चंद्र	09/05/2069	मंगल	10/05/2087	राहु	11/05/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 8 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।